ट्रेन रोकने के आरोप में हिरासत में आप कार्यकर्ता

रेलवे सुरक्षा बल चौकी पुलिस ने की कार्यवाही

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

करीब दो महा पूर्व बालाघाट रेलवे स्टेशन में हल्ला मचाते हुए यात्री ट्रेन रोके जाने वाले मामले में, बालाघाट रेलवे सुरक्षा बल चौकी पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही की है।जहां रेलवे पुलिस ने गोंदिया से गड़ा के बीच चलने वाली पैसेंजर ट्रेन को बालाघाट रेलवे स्टेशन में रोकने वाले मामले में आम आदमी पार्टी कार्यक्रम प्रमुख मनोज पमनानी सहित पांच अन्य कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाते हुए, उन्हें हिरासत में लिया है। जिनसे मामले को लेकर पूछताछ कर आरोपियों के बयान दर्ज किए गए है।तो वहीं बिना पूर्व सूचना के रेल रोको आंदोलन करने,नारेबाजी कर हल्ला मचाने, व यात्री ट्रेन रोकने वाले इस मामले में रेलवे पुलिस में हिरासत में लिए गए सभी आरोपियों पर रेलवे अधिनियम की धारा 174 (ए) 145 और धारा 146 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को जांच में लिया है। बताया गया की रेलवे पुलिस द्वारा जल्द ही इस पूरे मामले की जांच कर तैयार किया गया प्रकरण, रेलवे न्यायालय जबलपुर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जिसमें आगामी कार्यवाही रेलवे न्यायालय जबलपुर द्वारा की जाएगी।

रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे पुलिस ने 20 अप्रैल की सुबह बालाघाट रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर में टिकट के बचें पैसे वापस दिए जाने की मांग को लेकर हंगामा मचाने और रेलवे स्टेशन परिसर में नारेबाजी कर गोंदिया से गढा की ओर जाने वाली ट्रेन संख्या 68817 को रोककर इंजन पर चढ़कर ट्रेन रोकने, नारेबाजी करने व ट्रेन की बोगी के नीचे लेट कर ट्रेन परिसंचालन में व्यवधान उत्पन्न करने के आरोप में मार्डीकल गली वार्ड नंबर 22 निवासी 43 वर्षीय आम आदमी पार्टी कार्यक्रम प्रमुख मनोज पिता राजकुमार पमनानी , आप कार्यकर्ता चित्रगुप्त नगर वार्ड नंबर 6 निवासी 63 वर्षीय ओमप्रकाश पिता स्व. तुलाराम जायसवाल, भरवेली वार्ड नंबर 7 निवासी 49 वर्षीय अनिल पिता जीवन लाल बम्हे, और ग्रामीण थाना नवेगांव के ग्राम चीचगांव वार्ड नंबर 11 निवासी 34 वर्षीय ज्ञानेश पिता ओमकार राणा सहित एक अन्य शंभुधर द्विवेदी नामक व्यक्ति को नोटिस भेजकर उन्हें रेलवे पुलिस चौकी बुलाया जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर, मामले में बयान दर्ज किए। वही संबंधित धाराओं के तहत अपराध क्रमांक 166/25 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि 20 अप्रैल 2025 की सुबहा रेलवे स्टेशन बालाघाट के टिकट काउंटर का कर्मचारी यात्रियों को चिल्लर ना होने का हवाला देते हुए टिकट खरीदी पर बचे हुए टिकट के पैसे वापस नहीं कर रहा था। इसी बीच आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भी गोंदिया से चलकर जबलपुर गड़ा की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार होने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे थे, बताया जा रहा है कि उनके साथियों को भी टिकट काउंटर में पदस्थ कर्मचारी ने बचे हुए पैसे वापस नहीं किए।जिस पर आप कार्यकर्ताओं और टिकट काउंटर कर्मचारियों के बीच तू तू- मै मै शुरू हो गई। जहां अन्य यात्रियों से भी मिली शिकायत और कर्मचारियों पर बदतमीजी करने का आरोप लगाते हुए आप आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने टिकट काउंटर पर ही हंगामा मचाना शुरू कर दिया था।जहा टिकट काउंटर को बंद कर आप कार्यकर्ता नारेबाजी कर यात्रियों के बचे हुए पैसे वापस करने और दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कर्मचारियों से माफी मंगवाने की मांग को लेकर जमकर हंगामा मचाया था।रेलवे पुलिस स्टेशन प्रबंधक की समझाईश पर भी कार्यकर्ता नही माने।जब बात नहीं बनी तो आप कार्यकर्ताओं ने बालाघाट रेलवे स्टेशन पहुंची गोंदिया – गढा ट्रेन रोक दी और पटरी पर उतरकर हंगामा मचाया।जहा कुछ कार्यकर्ता ट्रेन के इंजन पर चड़कर हंगामा मचाने लगे तो वही जिला आम आदमी पार्टी कार्यक्रम प्रमुख ट्रेन के डिब्बे के नीचे पटरी पर लेट गए थे। जहां आप कार्यकर्ताओ ट्रेन रोक दी थी। अब इसी मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर रेलवे पुलिस ने कार्यवाही करते हुए संबंधित कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी कर रेलवे पुलिस चौकी बुलाया। जहां उनसे मामले में पूछताछ कर, उन्हें हिरासत में लिया है। तो वहीं संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण तैयार कर, मामले की जाँच शुरू कर दी है।

इनका कहना है

20 अप्रैल को टिकट काउंटर में बैठा कर्मचारी, यात्रियों को टिकट देने के बाद बचे हुए पैसे वापस नहीं कर रहा थे। जिसे पैसे वापस करने व रेल यात्रियों से किए गए दुर्व्यवहार के लिए यात्रियों से माफी मांगे जाने की मांग की जा रही थी। हमने कहा था कि अगर ट्रेन आने से पहले तक कर्मचारी वापस आकर यात्रियों के टिकट के बचे हुए पैसे वापस नहीं करता और गलती के लिए माफी नहीं मांगता तो हम ट्रेन रोक देंगे। वह कर्मचारी ने किसी के पैसे भी वापस नहीं किया और माफी भी नहीं मांगी। जब 25 मिनट बाद प्लेटफार्म पर गढा ट्रेन आ गई तो हमने पायलट से ट्रेन आगे ना चलने की बात कही, वे नहीं माने तो हंगामा हो गया था। इसी मामले को लेकर ट्रेन रोकी गई थी। इसी मामले में हमें नोटिस जारी कर रेलवे चौकी बुलाया गया है। वही मामले में प्रकरण बनाया गया है।

मनोज पमनानी, आप जिला कार्यक्रम प्रमुख

कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल रहीम खान

बालाघाट। संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस जिलाध्यक्ष के चुनाव को लेकर दावेदारों और कार्यकर्ताओं की नब्ज भांपने, आज 13 जून से तीन दिवसीय दौरे पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी से पर्यवेक्षक बालाघाट आ रहे है। जिसमें कांग्रेस के कई बड़े नेता, जिलाध्यक्ष पद की दावेदार बताए जा रहे है। जिसमें पार्टी को 33 वर्ष से, एक कर्मठ सिपाही के रूप में सेवाएं दे रहे अल्पसंख्यक वर्ग से आने वाले रहीम खान का नाम भी प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। एक जानकारी अनुसार 1992 से, कांग्रेस राजनीति में सक्रिय रहीम खान, 10 वर्षो तक लगातार जिला कांग्रेस कमेटी में उपाध्यक्ष रह चुके है। इसके अलावा युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष, महामंत्री और छत्तीसगड़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के वह, प्रतिनिधि सलाहकार रह चुके है। जिससे उन्हें संगठन और राजनीति में काम करने का एक लंबा अनुभव है। अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज से आने वाले रहीम खान, ना केवल सामाजिक रूप से बल्कि बहुसंख्यक, हिन्दु समाज में भी अपना खासा दबदबा रखते है। यही कारण है कि उनके संगठन और राजनीति में काम करने का पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, पूर्व विधायक अशोकसिंह सरस्वार, पूर्व कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पुष्पा बिसेन और वरिष्ठ नेता उम्मेद लिल्हारे, लोहा मानते हैं। कांग्रेस नेता रहीम खान, ना केवल संगठन और राजनीति में सक्रिय रहे है, बल्कि खेल और सांस्कृतिक, सामाजिक क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की है। हालिया समय में देखे तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जातीय जनगणना, मुद्दे को उन्होंने बालाघाट में पुरजोर तरीके से उठाया और इसके लिए सड़क तक आंदोलन किए। जो जिले के दूसरे कांग्रेस नेताओं में दिखाई नहीं दिया। बालाघाट मुख्यालय में लंबे समय तक शहर कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में जनहितैषी मुद्दो की बात करें या सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफत हो, रहीम खान, सड़क पर उतरकर आम जनता की आवाज बने है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष के रूप में अल्पसंख्यक वर्ग से प्रतिनिधित्व का विचार यदि कांग्रेस पार्टी और नेता करते है तो निश्चित ही रहीम खान, जिलाध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त चेहरा है।

अटल पेंशन योजना का लक्ष्य हासिल करने में बालाघाट देश में द्वितीय

प्रशासन की प्लानिंग रंग लायी, जरूरत के समय मिलेगी राशि

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय पेंशन स्कीम में शामिल अटल पेंशन योजना में लक्ष्य से अधिक पात्र नागरिकों को योजना में पंजीयन करने के मामलें में बालाघाट ने बड़ा नाम हुआ है। पूरे देश में बालाघाट द्वितीय स्थान पर है। इस वित्तीय वर्ष में पूरे देश के जिलों के लिए पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य को बालाघाट ने शत प्रतिशत नहीं बल्कि दो गुना अधिक प्राप्त किया है। लीड बैंक मैनेजर संजीव कुमार ने बताया कि 1 मई से 15 जुलाई तक कि स्थिति के लिए वित्तीय वर्ष का लक्ष्य निर्धारित रहता हैं। जो सभी जिलों के लिए निर्धारित होता है। बालाघाट में कलेक्टर मृणाल मीना ने निर्देशन में अप्रैल में ही राष्ट्रीय बीमा योजनाओं में अभियान के रूप में लिया गया। बालाघाट को 2992 का लक्ष्य दिया गया था। हमने निर्धारित लक्ष्य से दो गुना से अधिक यानी 6141 बैंक खातें पंजीयन किये है। यह 205 प्रतिशत है। नियामक ने टॉप टेन जिलों की सूची जारी की है। सूची के अनुसार मप्र में बालाघाट ने लक्ष्य हासिल कर प्रथम पायदान पर है। के उज्जैन जैसे जिले से बालाघाट आगे निकला है। जिले में अप्रैल माह से ही राष्ट्रीय बीमा योजनाओं में पात्र नागरिकों का पंजीयन कराने का बड़ा काम हाथ मे लिया था।

विधायक गौरव पारधी के प्रयास से कोडबी-दिग्धा मार्ग पर बनेगी सीसी सड़क

कटंगी। कोड़बी से दिग्धा के बीच 3 किलोमीटर लंबी सीसी सड़क निर्माण के लिए 37 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य को लेकर दोनों ग्रामों के ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है। यह स्वीकृति क्षेत्रीय विधायक श्री गौरव सिंह पारधी के प्रयासों से प्राप्त हुई है। सड़क निर्माण कार्य से कोडबी और दिग्धा ग्राम के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। लंबे समय से ग्रामीणजन इस मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर परेशान थे। अब सीसी रोड निर्माण से न केवल ग्रामीणों को राहत मिलेगी, बल्कि इस क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी। सड़क स्वीकृति की जानकारी मिलने पर कोडबी सरपंच अंजय जगजीवन, दिग्धा सरपंच दिलीप गुप्ता, महके पार मंडल अध्यक्ष योगेश सोनवाने, राजेन्द्र हाथझाडे, विजय मेश्राम एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर दोनों ग्रामों के नागरिकों ने विधायक गौरव सिंह पारधी का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में विकास की नई शुरुआत हो रही है।

विधायक गौरव सिंह पारधी ने मोवाड़ में करोड़ों के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

खैरलांजी (स्वतंत्र मत)

ग्राम मोवाड़ में वर्षों से लंबित जनहितैषी विकास कार्यों को मूर्त रूप देते हुए क्षेत्रीय विधायक श्री गौरव सिंह पारधी द्वारा भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत हाई स्कूल परिसर की बाउंड्री वॉल का निर्माण, बावनथड़ी नदी के तट पर स्थित शंकर घाट पर सभा मंच एवं मंदिर निर्माण, आवास टोली में सभा मंच का निर्माण तथा सम्पूर्ण ग्राम में स्ट्रीट लाइट लगाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल रहे। इन कार्यों से न केवल ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। विधायक गौरव सिंह पारधी ने अपने संबोधन में कहा कि ग्राम मोवाड़ की ये मांगे लंबे समय से लंबित थीं। जनप्रतिनिधि होने के नाते इन कार्यों को स्वीकृति दिलाकर उन्हें धरातल पर लाना मेरी प्राथमिकता रही है। ग्रामीण विकास ही मेरे जनसेवा के संकल्प का मूल उद्देश्य हैं। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मोवाड़ की सरपंच श्रीमती वर्षा कहालकर, जनपद सदस्य श्रीमती पूजा नगपुरे, सरपंच प्रतिनिधि होलू कहालकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। ग्रामीणों ने विधायक श्री पारधी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों से गांव के विकास को गति मिलेगी और आने वाले समय में इसका लाभ प्रत्येक परिवार को मिलेगा। विधायक ने भी आश्वस्त किया कि क्षेत्र के हर गांव तक विकास की रोशनी पहुंचे, इसके लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे।

मोदी युग के 11 वर्ष: सेवा, सुशासन और सुरक्षा की त्रिवेणी

सिवनी (स्वतंत्र मत))

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा गठबंधन सरकार के 11 वर्ष का कार्यकाल न सिर्फ विकास की नींव को मजबूत करने वाला है बल्कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाला कार्यकाल है। भारत ने इस दौरान सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। इस दौरान सीमा को सुरक्षित करना, अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और टेक्नालॉजी को जन-जन तक पंहुचाने का कार्य किया गया है। हमने संकल्प से सिद्धि तक पंहुचने का जो लक्ष्य तय किया था उस पर आगे बढ़ रहे हैं। उक्ताशय की प्रतिक्रिया केन्द्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार के सफलतम 11 वर्षों के कार्यकाल के दौरान किये गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए भाजपा मीडिया प्रभारी श्रीकांत अग्रवाल एवं श्री मनोज मर्दन त्रिवेदी द्वारा अपने संयुक्त वक्तव्य में दी गई। उन्होंने बताया कि गरीब एवं मध्यम वर्ग, मजदूर एवं किसान, नौजवान एवं युवा वर्ग, छात्र शक्ति एवं मातृशक्ति, वृद्धजन एवं निसहाय जन सभी के कल्याण के लिए योजनाएं लागू भी की गई हैं और उन्हें धरातल पर उतारा भी गया है। वक्तव्य में कहा गया कि देश का कृषि क्षेत्र हो या औद्योगिक क्षेत्र हो, विज्ञान एवं तकनीकी हो, या मेक इन इंडिया हो, पर्यटन का क्षेत्र हो या सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण हो, नवीन विद्यालयों का निर्माण हो या मेडिकल कॉलेजों का निर्माण हो, अधोसंरचना हो अथवा सड़क परिवहन, रेल परिवहन, हवाई यातायात हो। सरकार ने हर क्षेत्र में कार्य किया है। चंद्रयान की सफलता के बाद अब गगनयान की तैयारी इस बात का प्रमाण है कि नया भारत धरती ही नहीं अंतरिक्ष में भी आगे बढ़ रहा है। यह मोदी सरकार के परिश्रम और सुशासन का ही परिणाम है कि आज हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। वक्तव्य में कहा गया कि भाजपा हमेशा सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय की भावना से समूचे विश्व को एक परिवार के रूप में देखती है और उसी के अनुरूप हम कार्य करते हैं।

मप्र नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार दो दिन के बालाघाट प्रवास पर

बालाघाट। मप्र नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार 13 एवं 14 जून दो दिन के बालाघाट प्रवास पर होंगे। उनके निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वे शुक्रवार सुबह 5 बजे जिला धार से इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह 6 बजे इंदौर एयरपोर्ट आगमन के बाद वे बाय प्लेन नागपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह 8:05 बजे नागपुर आगमन के पश्चात करीब 9 बजे बाय रोड भंडारा तुमसर होते हुए करीब 11:30 बजे नेता प्रतिपक्ष सिंघार बालाघाट जिले की तहसील कटंगी पहुँच जनसामान्य से भेंट सुनिश्चित करेंगे। इसके पश्चात वारासिवनी में जनसामान्य से भेंट कर करीब 2:30 बजे बालाघाट के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। 3 बजे सर्किट हाउस में पत्रकारवार्ता तथा 4 बजे संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस के बैठक में सम्मिलित होंगे। वहीं 6 बजे श्री सिंघार बालाघाट से बैहर के लिए प्रस्थान कर रात्रि बैहर रेस्ट हाउस में विश्राम करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार शनिवार 11 बजे बैहर से परसवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे। यहाँ वे संगठन सृजन अभियान के विभिन्न कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसी तरह करीब 2 बजे बैहर में तथा बैहर से सालेटेकरी होते हुए करीब 5 बजे लांजी पहुंच श्री सिंघार संगठन सृजन अभियान के विभिन्न कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

कैंसर पीड़िता के 1.92 लाख के भुगतान पर अटका आयोग, कलेक्टर ने लगाई फटकार

जनसुनवाई में उभरा मानवीय संकट, बीआरसी व लिपिक पर कमीशनखोरी का आरोप

सिवनी (स्वतंत्र मत)

जनवरी 2025 में आयोजित जिला स्तरीय ऑलोपैथिक ओलम्पियाड में दो दिवसीय भोजन व्यवस्था का जिम्मा निभाने वाली कैंसर पीड़िता अलका मिश्रा को पांच माह बाद भी 1.92 लाख रुपये का भुगतान नहीं मिल सका है। मंगलवार को जनसुनवाई में अपनी गुहार लेकर पहुँची अलका मिश्रा ने बताया कि वह एक गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं और इलाज आर्थिक संकट के कारण अधर में लटक गया है। जनसुनवाई में मामला सामने आते ही जिला कलेक्टर संस्कृति जैन ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिला परियोजना समन्वयक को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल रिपोर्ट तलब की। कलेक्टर ने इस प्रकरण को न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही बल्कि मानवीय असंवेदनशीलता का भी घातक उदाहरण बताया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भुगतान रोकने के पीछे बीआरसीसी अरुण राय और बीआरसी कार्यालय के मुख्य लिपिक गोपाल सिंह गहलोद की कथित कमीशन की माँग को कारण बताया गया है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस भुगतान के लिए पिछली वित्तीय वर्ष में ही बजट स्वीकृत हो चुका था, लेकिन बीआरसी कार्यालय ने जानबूझकर फाइल आगे नहीं बढ़ाई। बताया गया कि अलका मिश्रा द्वारा बार-बार आग्रह के बावजूद फाइल जानबूझकर रोकी गई, और जब कमीशन नहीं दिया गया, तो भुगतान को लंबित रखा गया। विभागीय सूत्रों के अनुसार, बीआरसी कार्यालय के इस रवैये की विभाग के अन्य कर्मचारियों ने आलोचना की है। अधिकांश कर्मचारी यह मानते हैं कि कैंसर पीड़िता के मामले में मानवीय आधार पर त्वरित भुगतान किया जाना चाहिए था, लेकिन संबंधित अधिकारी अपनी ज़िद और लालच पर अड़े रहे। जनसुनवाई में अलका मिश्रा ने अपने आवेदन में बताया कि वह मुंबई स्थित ज़ेन हॉस्पिटल में कैंसर का इलाज करवा रही हैं, जिसमें रेडिएशन, कीमोथेरेपी और संभावित सर्जरी शामिल हैं। आर्थिक संकट के कारण इलाज रुकने की स्थिति में है। उन्होंने डीपीसी और बीआरसीसी की असंवेदनशीलता पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अब वह मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तीनों स्तरों पर टूट चुकी हैं। कलेक्टर की फटकार के बाद संबंधित बीआरसी और लिपिक अब हरसंभव प्रयास कर रहे हैं कि भुगतान जल्द हो सके। अब बजट की अनुपलब्धता का बहाना बनाकर मामले को शांत करने की कोशिश की जा रही है, जबकि विभागीय सूत्रों का स्पष्ट कहना है कि बजट उपलब्ध था और कार्य आदेश भी वैध रूप से जारी किया गया था। यह पूरा प्रकरण यह सवाल खड़ा करता है कि क्या विभागीय तंत्र में संवेदनशीलता खत्म हो रही है? एक गंभीर बीमारी से जूझ रही महिला को उसकी सेवाओं का भुगतान न करके, उसे कमीशन की शर्तों में उलझाना न सिर्फ प्रशासनिक भ्रष्टाचार है, बल्कि यह हमारी सामाजिक मानवीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

फर्जीवाड़ा : नजूल भूमि पर कैसे हो गया नामांतरण और कैसे दे दी गई लीज?

सिवनी (स्वतंत्र मत)

राजस्व विभाग में सरकारी जमीनों के फर्जीवाड़े का यह एक और उदाहरण सामने आया है। उपनगरीय क्षेत्र भैरोगंज वार्ड स्थित बघेल मोहल्ला में दशकों पुरानी नजूल भूमि को न सिर्फ अवैध रूप से निजी नाम पर दर्ज कर दिया गया, बल्कि उसे व्यावसायिक प्रयोजन के लिए लीज पर भी दे दिया गया। इस पूरे मामले में राजस्व विभाग की मिलीभगत और तथाकथित समिति की भूमिका सवालों के घेरे में है।

किसकी थी जमीन?- प्राप्त जानकारी के अनुसार, ब्लॉक नंबर 11 एवं 14 में स्थित नजूल भूमि सरस्वती बाई धर्मदास बैरागी के नाम पर दर्ज थी। उनके न तो कोई उत्तराधिकारी थे, न ही किसी को भूमि दान की गई थी। ऐसे में नियमों के अनुसार यह भूमि शासन की होनी थी। लेकिन यह भूमि बाद में मुनियाबाई एडवोकेट एसएन शील के नाम कैसे दर्ज हो गई, यह अब तक रहस्य बना हुआ है। तथाकथित समिति ने इस नजूल भूमि को बाबूलाल यादव नामक व्यक्ति को व्यावसायिक

उपयोग हेतु 10 वर्षों के लिए लीज पर दे दिया। ब्लॉक 11 के प्लॉट 05 एवं 06 में एसजीएम प्राइवेट स्कूल और श्रीराम मंदिर, तथा ब्लॉक 14 के प्लॉट 60 एवं 65 में मॉर्निंग प्ले वाटिका स्कूल का संचालन हो रहा है, वह भी बिना किसी वैध अनुमति के। स्थानीय नागरिकों द्वारा जब प्राइवेट स्कूल के निर्माण से रास्ता बंद करने की शिकायत की गई, तो जिला कलेक्टर ने तत्काल तहसीलदार मीना दसारिये एवं नगर पालिका के तत्कालीन सीएमओ रामकुमार कुर्वेति को निरीक्षण हेतु भेजा। जांच में निर्माण कार्य को बिना अनुमति पाया गया और नोटिस जारी कर काम पर रोक लगा दी गई। प्रकरण पर न्यायालय तहसीलदार द्वारा सुनवाई करते हुए भूमि को सार्वजनिक एवं विवादित करार दिया गया। इसके बावजूद कथित समिति द्वारा नामांतरण के प्रयास जारी हैं। अब यह मामला एसडीएम न्यायालय, सिवनी में पहुंच गया है। जनता की नजरें एसडीएम सुश्री मेघा शर्मा पर टिकी हैं - क्या वे इस मामले में निष्पक्ष जांच कर फर्जी नामांतरण पर रोक लगाएंगी या फिर यह मामला भी राजस्व विभाग की अन्य अनियमितताओं की तरह फाइलों में दब जाएगा? यह प्रकरण केवल एक भूमि विवाद नहीं है, बल्कि यह राजस्व व्यवस्था की उस गहरी खामी को उजागर करता है, जिसमें अफसरों की मिलीभगत से नजूल जैसी सरकारी जमीनें भी फर्जी दस्तावेजों के सहारे निजी लोगों को सौंप दी जाती हैं।

विमान लैंडिंग के दौरान फिर पलटा, सिवनी के सुकतरा एयरस्ट्रिप पर फिर बड़ा हादसा टला

सिवनी (स्वतंत्र मत)। सिवनी जिले के सुकतरा स्थित मेस्को एयरोस्पेस लिमिटेड की हवाई पट्टी पर बुधवार, 11 जून 2025 को एक बार फिर बड़ा हादसा टल गया। रेड बर्ड एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का एक प्रशिक्षण विमान लैंडिंग के दौरान फिसलकर पलट गया। सौभाग्यवश, इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन बीते 10 दिनों में यह दूसरी ऐसी घटना है जिसने विमानन सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के तुरंत बाद उपस्थित प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के बाद कंपनी के कर्मचारियों ने विमान को तिरपाल से ढंकने का प्रयास किया, जिससे यह आशंका और गहराई कि घटना को छुपाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल हुए तस्वीरों और वीडियो ने पूरे मामले को उजागर कर दिया। जानकारी के अनुसार सिवनी कलेक्टर संस्कृति जैन ने नागर विमानन महानिदेशालय को सूचना दे दी गई है और जांच प्रारंभ कर दी गई है। फिलहाल दुर्घटना के तकनीकी व मानवीय कारणों की पड़ताल की जा रही है। विमानन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार दो घटनाएं केवल संयोग नहीं हो सकतीं। ये या तो प्रशिक्षण प्रक्रियाओं की खामी, तकनीकी मानकों की अनदेखी या फिर रखरखाव में लापरवाही का संकेत हैं। ऐसे में ना केवल प्रशिक्षु पायलटों की सुरक्षा, बल्कि पूरे क्षेत्र की नागरिक सुरक्षा भी खतरे में है। अब सबकी नजर ष्ठत्रष्ट की जांच रिपोर्ट पर टिकी है, जो यह स्पष्ट करेगी कि इन घटनाओं की जड़ में कौन-सी लापरवाही या प्रणालीगत दोष छिपा है।